KEY-ANSWER

I.निम्नलिखित प्रश्नों के लिए चार-चार विकल्प सुझाए गये हैं. उनमें से सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर उनके संकेताक्षर सहित पूर्ण रूप से लिखिए। 8x1=8

1.B. छोटा 2. D.भाई 3. C. प्रतियाँ 4. A. पढ़ाना
5. C. द्वंद्व 6. A. दीर्घ 7.D. से 8.B. पूर्ण विराम

II. निम्नलिखित प्रथम दो शब्दों के संबंध केह्य अनुरूप तीसरे शब्द का संबंधित शब्द लिखिए। 4x1=4

9. काजू 10. संशुद्दीन 11. तेन जिंग नोर्गे 12. यशोधा

III. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक पूर्ण वाक्य में लिखिए। 4x1=4

13. अब्दुल कलामजी बचपन में पुश्तैनी घर में रहते थे।
14. विजयपुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोल गुंबज की ह्विस्पिरिंग गैलरी है।
15. तुलसीदासजी के अनुसार मुखिया को मुंह के समाना होना चाहिए।
16. समय ईश का दिया हुआ अनुपम धन है।

IV. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए। 8x2=16
17. उत्तर : दूकानदार ने लेखक से कहा कि बाबूजी, बड़े मज़ेदार सेब आए हैं, खास कश्मीर के। आप ले जाएँ, खाकर तबीयत खुश हो जायेगी।
18. उत्तर :महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह (गिल्लू) कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजुही की पत्तियों में।
19.उत्तर : बलराम कृष्ण को सदाचिढ़ाता रहता है कि कृष्ण यशोदा और नंद का बेटा नहीं है। यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है। उसे मोल लिया गया है।इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता।
20. उत्तर :ई- गवर्नेन्स द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण,अभिलेख, सरकारी आदेश आदि को यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।
21. उत्तर : बिछेंद्री को बचपन में रोज़ पाँच किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाना पद्अता था। बाद में पर्वतारोहण-प्रशिक्षण के दौरान उनका कठोर परिश्रम बहुत काम आया। सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी।

22. उत्तर : समय भगवान का दिया हुआ अनुपम धन है। इसलिए आलस को छोड़कर, बिना किसी बहाने काम करना है। एक क्षण भी नष्ट नहीं करना है। तभी समय का सदुपयोग होगा।

23. उत्तर :शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है।

अथवा

उत्तर : शनि ग्रह के चहुं ओर वलय [कंकण] दिखाई देते है , वे गले के हार जैसे दिखाता है इसलिए शनि सबसे सुंदर ग्रह है।

24. उत्तर :संसार में जितने महान व्यक्ति हुए, सबने सत्य का सहारा लिया है। सत्य का पालन किया है। राजा हरिश्चन्द्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है। उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नहीं है। राजा दशरथ ने सत्यवचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए। महात्मा गाँधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया।

अथवा

उत्तर : शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका इस प्रकार समझाया गया है- "सत्यं ब्रूयात, प्रियं ब्रूयात, न ब्रूयात सत्यमप्रियम" अर्थात, "सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।"

V. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : 9x3=27

25. कश्मीरी सेब पाठ मे बाजार में लोगों के साथ होनेवाली धोकेबाजी पर प्रकाश डालते हुए लेखक प्रेमचंद जी कहते है कि ख़रीदारी करते समय सावधानी बरतने की अवश्यकाता है।

26. उत्तर : कवि दिनकरजी कहते है कि मानव की सही परिचय वह है जो मानव –मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधता है , जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाता है , वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा। आपसी भाईचार , पारस्परिक प्रेम , दूसरों के साथ स्नेह से रहना ही मानव का सही परिचय है।

27. उत्तर : जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते थे कि- 'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो; जिसमें दौलत,आयु,जाती या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।

28. उत्तर : * पंडित राजकिशोर मज़दूरों के नेता थे * मानवीय दृष्टि से उन्होंने बसंत का सामान खरीदा
* जब बसंत के भाई प्रताप से राजकिशोर को बसंत की हालत के बारे मे पता चलता है तब वे खुद डाक्टर को बुलवाकर जाते है ।
* वे बसंत को चिकित्सा दिलवाकर हर प्रकार की मदद करते है ।

29. उत्तर : " सोशल नेटवर्किंग" एक क्रांतिकारी खोज है, जिससे दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है। सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन आदि । इन साइटों के कारण देश – विदेश के लोगों की रहन-सहन, वेश-भूषा,खान-पान के अलावा संस्कृति,कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है।

30. उत्तर : सम्मेलन में लेखक का सामान सब चोरी हो गया था। ताला तक चोरी हो गया था और अब वे बचे थे। लेखक ने सोचा अगर वे वहाँ ज्यादा समय तक रुकेंगे तो उन्हें हीचोरा लिया जायेगा। इसलिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया।

31. उत्तर : * भारत माँ के एक हाथ में न्याय-पताका है, और दूसरे हाथ में ज्ञान-दीप है। * जग के रुप को बदलने के लिए कवि भारत माँ से निवेदन कर रहे हैं। * आज माँ के साथ कोटि - कोटि भारत की जनता है * सभी ओर शहर और गाँवों में जय हिन्द का नाद गूँज उठा है। इस तरह मातृभूमि का स्वरुप सुशोभित है।

32. भावार्थ : श्री तुलसीदास जी प्रस्तुत दोहे में कहते है कि दया धर्म का मूल है और पाप का मूल अभिशाप है। इसलिए कवि कहते है जब तक शरीर मे प्राण है , तब तक मनुष्य को अपने अभिमान छोड़कर दयालु बने रहना चाहिए।

33.ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಲೇಖಕಿಯು ತಟ್ಟೆಯ ಬಳಿ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದರು.ಅಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಅದು ಒಂದೊಂದು ಅನ್ನದ ಅಗಳನ್ನು ಎತ್ತಿಕೊಂಡು ತಿನ್ನುತ್ತಿತ್ತು.

VI. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पांच-छः वाक्यों में लिखिए। 2x4=8

34. उत्तर:कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी हैं। वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे। अक्कमहादेवी,अल्लमप्रभु,सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल"वचनों" व्दारा प्रेम,दया और धर्म की सीख दी है। पुरंदरदास,कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति,नीति,सदाचार के गीत गाये हैं। पंप,रन्न,पोन्न,कुमारव्यास,हरिहर,राघवांक आदि ने महान काव्यों की रचना कर कन्नड साहित्य को समृद्ध बनाया है।

अथवा

कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु है। यहाँ देश-विदेश के लोग आकार बस गये है। बेंगलूरु केवल शिक्षा का ही नहीं बल्कि बड़े -बड़े उद्योग दधंधों का केंद्र भी है।यहाँ प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान संस्थान ,एच ,ए एल हेच , एं, टी आई , टी आई बी , हेच , एम, एल बी ,आई, एल , जैसी संस्थाए है। इन सभी कारणों से बेंगलूरु विश्व भर मे प्रसिद्द है।

35. निम्नलिखित कवितांश पूर्ण कीजिए।

असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करो ,
क्या कमी रह गई देखो और सुधार करो।
जब तक न सफल हो नींद चैन को त्यागो तुम ,
संघर्ष का मैदान को छोड़कर मत भागो तुम ।।

VII.36.**निम्नलिखित गद्यांश ध्यानपूर्वक पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 4x1=4**

A] महान् सेनानी थे। **B] महात्मा गांधीजी का विनग्र सत्याग्रह उन्हें नहीं भाता था।**

C] बहिष्कार का आंदोलन चलाने का कारण **D] तन-मन-धन से की।**

VIII. 37.दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 12-15 वाक्यों में किसी एक विषय के बारे में निबंध लिखिए : 1x4=4

(ख) आज की आवश्यकता – इंटरनेट

*** इंटरनेट का अर्थ**
*** इंटरनेट के उपयोग**
*** इंटरनेट से लाभ**
*** उपसंहार**

प्रस्तावना: आज हम चाहे तो पैसे के बिना जी सकते है लेकिन इंटरनेट के बिना जीना मुश्किल बन गया है। क्योंकि दुनिया के सभी कामकाज इंटरनेट पर ही निर्भर है। इस के बिना देश एंव व्यक्तिगत प्रगती असंभव है।

अर्थ: अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से से संबंध स्थापित करने का जाल को ही इंटरनेट कहा जाता है।

लाभ : इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

*** इस के द्वारा घर बैठे-बैठे खरिदारी कर सकते हैं।**
*** पत्र, चित्र, विडियों, पुस्तक, पैसे आदि को पल भर में दुनिया के किसी भी कोने में भेजा जा सकते है।**
*** किताबों को पढ सकते हैं, बैंकिंग व्यवहार कर सकते हैं।**
*** वर्चुअल मीटींग द्वारा वार्तालाप कर सकते हैं।**
*** इंटरनेट द्वारा ही फेसबुक, आर्कुट, ट्विटर, वाट्साप जैसे सोशल नेटवर्किंग साइट्स काम कर रहीं है। आदि**

हानियाँ : इंटरनेट की वजह से बहुत कुछ हानियाँ हो रही है।

*** इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्राड, हैकिंग आदि बढ़रही है।**
*** मुक्त वेब साईट्स से युवा पीढी और बच्चों पर बुरा असर पड रहा है।**
*** और बच्चों पर बुरा असर पड रहा है।**
*** बच्चें समय का दुरुपयोग और अनुपयुक्त, अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं।**
*** लोगों को इंटरनेट से सचेत रहना चाहिए**

उपसंहार:

इंटरनेट ने मानव की जीवनशैली और उसकी सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया है। आज इंटरनेट के बिनासभी क्षेत्र टप पड जाते हैं। इंटरनेट ने पूरी दुनिया को एक छोटा गाँव बना है ।इंटरनेट वरदान है तो अभिशाप भी है। इसका विवेकपूर्ण उपयोग से मानव का कल्याण अवश्य होता है।

(ग) पर्यटन का महत्व

*** पर्यटन का अर्थ**
*** विकास का सूत्रधार**
*** पर्यटन से लाभ**
*** उपसंहार**

विषय प्रवेश: जीवन का असली आनंद घुमक्कड़ी में है; मस्ती और मौज में है। प्रकृति के सौंदर्य का रसपान अपनी आँखों से उसके सामने उसकी गोद में बैठकर ही किया जा सकता है। उसके लिए आवश्यक है – पर्यटन।

पर्यटन - एक शौक : पर्यटन आदिकाल से ही मनुष्यों का स्वभाव रहा है। घूमना-फिरना भी मनुष्य के जीवन को आनंद से भर देता है इसका पता लोगों ने बहुत पहले ही लगा लिया था।

पर्यटन से लाभ : पर्यटन का अर्थ है – घूमना। बस घुमने के लिए घूमना।आनंद-प्राप्ति और जिज्ञासा-पूर्ति के लिए घूमना। ऐसे पर्यटन में सुख ही सुख है। ऐसा पर्यटन दैनंदिन जीवन की भारी-भरकम चिंताओं से दूर होता है। जो व्यक्ति इस दशा में जितनी देर रहता है, उतनी देर तक वह आनंदमय जीवा जीता है।

उपसंहार : पर्यटन मानव जीवन के सभी पहलुओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. यह न केवल देश के भीतर राष्ट्रीय एकता स्थापित करने में मदद करता है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय सद्भावना की स्थापना को भी मजबूत करता है. अगर सरकार और जनता इस बारे में जागरूक होंगे और एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे तो पर्यटन उद्योग के और बढ़ने की उम्मीद है।

IX. निम्नलिखित विषय के बारे में पत्र लिखिए : **1x5=5**

38. कोई कारण बताते हुए चार दिन को छुट्टी के लिए अपने प्रधान अध्यापकजी के नाम एक पत्र लिखिए।

प्रेषक,

वर्षा बी एस
दसवीं कक्षा,
बिसिनीरू मुद्दाप्प सर्कारी हाईस्कूल
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।

सेवा में,

कक्षा अध्यापक,
बिसिनीरू मुद्दाप्प सर्कारी हाईस्कूल
चल्लकेरे चित्रदुर्ग जिला।

मान्य महोदय,

विषय : तीन दिनों की छुट्टि प्रदान करने के बारे में,

सविनय निवेदन है कि, मेरी तबीयत ठीक न होने के कारण मैं दिनांक : : : से दिनांक : : : तक तीन दिनों तक कक्षा में उपस्थित नहीं हो सकती हूँ। इसलिए आप मुझे तीन दिनों की छुट्टि देने की कृपा करें।

सधन्यवाद,

आपका विधेय विद्यार्थिनी,

[वर्षा बी एस]